The 5th Paramhansa Yogananda International Conference on "Towards a Global and Multidisciplinary Understanding of Spirituality and Science in the Contemporary World"organised by Department of Commerce & Department of Music, VGC Mandi (H.P), in association with Pratibha Spandan Society, Shimla (H.P) on 23-24 February2024.

Conference Report

A two-day international conference in hybrid mode on the topic *"Towards a Global and Multidisciplinary Understanding of Spirituality and Science in the Contemporary World"* was organised by the Department of Commerce & the Department of Music, Vallabh Government College Mandi (H.P), in association with Pratibha Spandan Society, Shimla (H.P) on 23-24 February 2024 in the college campus.

The Inaugural Session began at 10.30 am on 23 February 2024.Professor Anil Dutt Mishra (Retd.), Honorary Treasurer at Indian Institute of Public Administration (IIPA) Delhi was the Chief Guest and Key-Note Speaker. Prof. Mishra, a distinguished Gandhian scholar and writer, emphasized on the transformative potential of integrating science, spirituality, and moral values to improve the society both nationally and globally. He highlighted the importance of drawing inspiration from the philosophies and lives of Mahatma Gandhi, Swami Vivekananda and Sri Sri Paramhansa Yogananda in fostering positive change. Dr. Keshav Sharma, retired Professor from the Department of Education, Himachal Pradesh University, Shimla was the Guest of Honour on the occasion. He expressed his views on the amalgamation of spirituality and education. He motivated students and scholars to be positive in life. Conference Patron, Ms. Surina Sharma, Principal of VGC Mandi, expressed her belief that the conference would play a significant role in advancing our understanding of the intersections between spirituality and science.

More than 200 distinguished scholars, professors, industrialists and social scientists from around the world participated in the conference and presented their papers during 38 online and offline technical sessions on diverse themes related to different subjects like Music,

Painting, Drama, English, Hindi, History, Commerce, Management, Psychology, Education, Sociology, Spirituality, Yoga, etc. A healthy discussion was carried out in hybrid mode. Prof. Him Chaterjee, Prof. Surjeet Kumar, Prof Keshav Sharma, Prof. Anil Mishra, Dr. Mritunjay Sharma, Dr. Virender Kashual, Dr. Pankaj Gupta, Dr. Gurcharan Singh, Dr. Harwinder Singh Longowal, Dr. Vikas Kumar, Dr. Monika Panchani, Dr. Rahul Swarnkar, Dr. Ramajayan, Dr. Ravinder Kumar, Dr. Manoj Kumar, Dr. Rattan Lal, Dr. Jitender Kumar, Dr. Surender Kumar, Ms. Yachana Sharma, Dr. Nirmal Singh, Dr. Deepali Ashok, Dr. Kirti Garg, Dr. Ritesh Verma and Dr. Balbir Singh were present as honourable resource persons.

A Cultural programme was also organised at 3.00 pm on the first day of the conference, in which the delegates and students of the college participated to showcase their talent through various presentations like folk songs, film songs, classical music, western music, folk dance and more. This programme was highly appreciated by all the resource persons and delegates. Professor Keshav Sharma, a disciple of the Sitar Maestro, Bharat Ratna Pandit Ravi Shankar and a renowned Musician himself was the Chief Guest on the occasion. Retired Principal, Sh. Ramesh Ravi was the Guest of Honour.

On the second day of the conference, the Technical Sessions began at 10.00 am and continued till lunch. The Valedictory session started at 3.00 pm on 24 February 2024with the felicitation ceremony. Principal VGC Mandi, Ms. Surina Sharma welcomed the guests to the Valedictory Session and Dr. Ravinder Kumar, the convenor of the conference, presented the conference report. Dr. R.K. Abhilashi, Chancellor, Abhilashi University and Chairman of Abhilashi Education Society presided over the function as the Chief Guest. Dr. L.K. Abhilashi, Pro-Chancellor, Abhilashi University and M.D. Abhilashi Group of Institutions was the Guest of Honour. The Chief Guest addressed the participants and presented certificates to the offline participants. The vote of thanks was proposed by Dr. Mritunjay Sharma, President of Pratibha Spandan Society, Shimla. The function ended with national anthem.

The major outcomes of the conference were:

A multidisciplinary approach is indispensable in improving man’s understanding of spirituality and science. Additionally, it is required for the interaction between the two essential facets of existence. Spirituality is an experience that deals with the nature of the soul, which is absolute and the ultimate truth. Only truthfulness can facilitate in finding the

true meaning of life. It offers a base to our inherent values and the world around us. Spirituality itself is very scientific, for it needs to explore the world and its nature, just like the scientist and thus goes beyond science. The various facets of spirituality and science when combined can make the human life more relevant and fruitful for the sake of humanity. Only by incorporating Spirituality (in addition to Science) to our curriculum, can we give a meaningful and progressive life to our future generations. Only through Multidisciplinary understanding of Spirituality and Science, the Contemporary World may change positively. So if we want positive change in our society we have to incorporate spirituality with science in our educational system from the very beginning.

Photographs of 5th Paramhansa Yogananda International Conference

News Clipping of 5th Paramhansa Yogananda International Conference

वल्लभ कालेज में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन कल से

200 से ज्यादा शोधकर्त्ता प्रस्तुत करेंगे शोध पत्र

मंडी, 21 फरवरी (रजनीश): वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी का संगीत व वाणिज्य विभाग शिमला की प्रतिभा स्पंदन समिति के सहयोग से समकालीन दुनिया में आध्यात्मिकता और विज्ञान की वैश्विक और बहुविषयक समझ की ओर विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 23 व 24 फरवरी को वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में होगा। सम्मेलन में देश और दुनिया के शोधार्थी, प्रोफैसर्ज व वैज्ञानिक हाईब्रिड माध्यम से अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन का शुभारंभ इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन दिल्ली के ट्रेजर व प्रोफैसर अनिल दत्त मिश्रा करेंगे।

इन देशों के आएंगे वैज्ञानिक

सम्मेलन के कन्वीनर डा. रविंद्र कुमार और को-कन्वीनर डा. निर्मल सिंह ने बताया कि इस सम्मेलन में रूस, यू.ए.ई., बंगलादेश व अजरबाइजान सहित कई देशों के करीब 200 से ज्यादा शोधार्कर्त्ता, प्रोफैसर्ज व वैज्ञानिक अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन की पैटर्न व वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी की प्राचार्या प्रो. सुरीना शर्मा ने बताया कि आध्यत्मकता व विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को समझने में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सार्थक भूमिका निभाएगा।

नगर निगम मंडी ने बजट को लेकर मांगे लोगों के सुझाव

नगर निगम मंडी का आम बजट 26 फरवरी के बाद पेश किया जाएगा, लेकिन इससे पहले बजट से संबंधित सुझाव लोगों से मांगे हैं। नगर निगम मंडी के मेयर वीरेंद्र भट्ट ने बताया कि तथ्य व कोई भी सुझाव 26 फरवरी से पहले नगर निगम को भेजें, जिन्हें बजट में रखा जा सके। 26 तारीख के बाद नगर निगम का बजट पेश होगा तथा इस बजट में विकास संबंधित वर्तमान जानकारियां लोग भेज सकते हैं, जिन्हें बजट में डालना है।

उन्होंने बताया कि 22 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव, जो 9 मार्च से शुरू होने जा रहा है, की उपसमिति जो सफाई व्यवस्था को देखेगी, की बैठक निश्चित की गई है।

बैठक में तमाम पदाधिकारी भाग लेंगे, जो अध्यक्ष मेला कमेटी द्वारा समिति में नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम शिवरात्रि महोत्सव के दौरान सफाई व्यवस्था को सुचारू रूप से चलने के लिए तथा अन्य कोई भी सफाई संबंधी समस्या हो तो उसे सुधारने के लिए तमाम लोगों व सदस्यों के साथ मिलकर काम करेगा।

jabkesari.in मंडी केसरी शनिवार SATU

विज्ञान और अध्यात्म से देश व दुनिया बन सकती है बेहतरीन

वल्लभ कालेज मंडी में 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ पर बोले प्रो. अनिल दत्त मिश्र

मंडी, 23 फरवरी (रजनीश): वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में शुक्रवार को 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुभारंभ इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन दिल्ली के ऑनरेरी ट्रेजरर व सेवानिवृत्त प्रो. अनिल दत्त मिश्रा ने किया। प्रो. अनिल दत्त मिश्र ने कहा कि विज्ञान व अध्यात्म से मनुष्य देश व दुनिया को बेहतरीन बना सकता है।

इसके अलावा वर्तमान परिपेक्ष में उदारीकरण, निजीकरण व वैश्वीकरण में विज्ञान, अध्यात्म व नैतिक मूल्यों से सकारात्मक परिवर्तन हो सकते हैं तथा भय, लालच, असमानता व भौतिक मोह मनुष्य के दुखों का कारण है। महात्मा गांधी, विवेकानंद व महर्षि परमहंस योगानंद के विचारों व जीवन से मनुष्य प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।

मंडी : वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में शुरू हुए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में उपस्थित मुख्यातिथि व अन्य गण्यमान्य लोग। (संजू)

उन्होंने कहा कि देश के 90 प्रतिशत संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों का कब्जा है।

इससे पहले सम्मेलन की पैटर्न व वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी की प्राचार्य प्रो. सुरीना शर्मा ने मुख्यातिथि को स्मृतिचिन्ह भेंट किया जबकि सम्मेलन के कन्वीनर डा. रविंद्र कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट पेश की। बशिष्ठ अतिथियों में शामिल प्रो. केशव शर्मा ने पैनल डिस्कशन में भारतीय सभ्यता व संस्कृति धर्म व अध्यात्म विषय पर जानकारी दी। सम्मेलन में रूस, यू.ए.ई., बंगलादेश व अजरबैजान सहित कई देशों के लगभग 200 से अधिक शोधार्कर्ता, प्रोफैसर्स व समाज वैज्ञानिक अपने शोध पत्र ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रस्तुत कर रहे हैं।

वल्लभ कॉलेज मंडी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ पर प्रो. मिश्रा बोले

विज्ञान, अध्यात्म से देश को बनाया जा सकता बेहतर

संवाद न्यूज एजेंसी

मंडी। विज्ञान व अध्यात्म से मनुष्य देश-दुनिया को बेहतरीन बना सकते हैं। वर्तमान परिपेक्ष में उदारीकरण, निजीकरण व वैश्वीकरण में विज्ञान, अध्यात्म व नैतिक मूल्यों से सकारात्मक परिवर्तन हो सकते। भय, लालच, असमानता व भौतिक मोह मनुष्य के दुखों के कारण हैं।

यह बात प्रोफेसर अनिल दत्त मिश्रा ने वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कही। संगीत विभाग और वाणिज्य विभाग शिमला की प्रतिभा स्पंदन समिति के सहयोग से यहां समकालीन दुनिया में आध्यात्मिकता और विज्ञान की वैश्विक एवं बहुविषयक समझ की ओर विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आगाज हुआ। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी, विवेकानंद, महर्षि परमहंस योगानंद के विचारों व जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं। देश के 90 प्रतिशत संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों का कब्जा है। असमानताएं असंतोष को जन्म देती हैं। गरीबी व अमीरी के अंतर को कम करना महत्वपूर्ण है।

वल्लभ कॉलेज मंडी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेते शिक्षक और विद्यार्थी। संवाद

मंडी कॉलेज की प्राचार्या प्रो. सुरीना शर्मा ने कहा कि आध्यात्मिकता व विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को समझने में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सार्थक भूमिका निभाएगा। सम्मेलन के समन्यवक डॉ. रविंद्र कुमार ने सम्मेलन की रिपोर्ट पेश की। सेवानिवृत्त प्रो. केशव शर्मा भारतीय सभ्यता, संस्कृति, धर्म पर जानकारी दी। सम्मेलन में रूस, यूएई, बांग्लादेश समेत कई देशों के लगभग 200 से अधिक शोधकर्ता, प्रोफेसर और वैज्ञानिक शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे।

असमानताएं असंतोष को जन्म देती है : अनिल मिश्रा

संवाद सहयोगी, मंडी : इंडियन इंस्टीट्यूट आफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आइआइपीए) दिल्ली के कोषाध्यक्ष प्रोफेसर अनिल दत्त मिश्रा ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष में उदारीकरण, निजीकरण व वैश्वीकरण में विज्ञान, अध्यात्म व नैतिक मूल्यों से सकारात्मक परिवर्तन हो सकते। भय, लालच, असमानता व भौतिक मोह मनुष्य के दुखों का कारण हैं।

महात्मा गांधी, विवेकानंद, महर्षि परमहंस योगानंद के विचारों व जीवन से प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं। वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी के संगीत व वाणिज्य विभाग शिमला की प्रतिभा स्पंदन समिति के सहयोग से समकालीन दुनिया में आध्यात्मिकता और विज्ञान की वैश्विक और बहुविषयक समझ की ओर विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुक्रवार को शुरू हुआ। सम्मेलन का शुभारंभ सेवानिवृत्त प्रोफेसर अनिल दत्त मिश्रा ने किया। उन्होंने कहा कि देश के 90 प्रतिशत संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों का कब्जा है। असमानताएं असंतोष को जन्म देती है। गरीबी व अमीरी के अंतर को कम करना महत्वपूर्ण है। सत्य, अहिंसा, आत्म मंथन, आत्म चिंतन, प्रेम व नैतिक मूल्यों से जीवन के सुखों को प्राप्त किया जा सकता हैं।

सम्मेलन की पैटर्न व वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी की प्राचार्या प्रोफेसर सुरीना शर्मा ने कहा कि वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी इतिहास, संस्कृति व शिक्षा के मूल्यों को अक्षुण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के कन्वीनर डा. रविंद्र कुमार ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट पेश की।

मंथन वल्लभ कालेज में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में विशेष चर्चा, देश और दुनिया भर से 201 पेपर ऑफलाइन और ऑनलाइन किए पेश

विज्ञान और आध्यात्मिकता में बनेगा समन्वय

कार्यालय संवाददाता-मंडी

वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी का संगीत विभाग व वाणिज्य विभाग और शिमला की प्रतिभा स्पंदन समिति के सहयोग से टुवर्ड्स अ ग्लोबल एंड मल्टीडिसिप्लिनरी अंडरस्टैंडिंग ऑफ़ स्पिरिचयलिटी एंड साइंस इन कंटेम्पररी वर्ल्ड विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में अभिलाषी विश्वविद्यालय के कुलपति डा. आरके अभिलाषी ने बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर अभिलाषी विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डा. एलके अभिलाषी वशिष्ठ अतिथि के रूप में शामिल हुए। अभिलाषी विश्वविद्यालय की कुलपति ने अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए । डॉक्टर आरके अभिलाषी ने कहा कि हाल के वर्षों में विज्ञान और आध्यात्मिकता के बीच के संबंध को अन्वेषित करने में एक बढ़ती हुई रुचि दिखाई दी है। जो विभिन्न विषयों और संस्कृतियों के बीच संघटित हो रही है। इस अंतर्विज्ञानी दृष्टिकोण का उद्देश्य, इन दो क्षेत्रों के बीच के जटिल संबंधों को समझना है और आधुनिक समाज के लिए इसके प्रासंगिकताओं को जांचना है। जैसे-जैसे वैश्विकरण विभिन्न समुदायों और दृष्टिकोणों को जोड़ता है, आध्यात्मिकता और विज्ञान का व्यापक अन्वेषण की आवश्यकता है जो भूगोलिक और विषयांतर की सीमाओं को पार पार करता है । विज्ञान और आध्यात्मिकता के आज के विश्व में समझ को लेकर कई शोधकर्ताओं ने अपने शोध को प्रस्तुत किया। जिसका विश्लेषण तकनीकी सत्रों में किया गया। यह सत्र आध्यात्मिक और वैज्ञानिक विचारों को समझने के लिए आयोजित किया गया था। सम्मेलन सचिव बल्बीर सिंह ने कहा कि सम्मेलन में देश और दुनिया भर से 201 पेपर हाइब्रिड माध्यम से ऑफलाइन और ऑनलाइन प्रस्तुत किए गए। रूस, यूएई, कनाडा, जर्मनी, जॉर्जिया, श्रीलंका, अजरबैजान और ऑस्ट्रेलिया से उपस्थित विदेशी प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ दीं। सम्मेलन में मौजूद संसाधन व्यक्तियों में प्रो. जेएन बालिया, प्रो. पंकज गुप्ता, प्रो. मृत्युंजय शर्मा, डा. रामजयम, डा. कमल कांत, प्रो. गुरुचरण सिंह, प्रो. हिम चट्टर, प्रो. वीरेंद्र कौशल, प्रो. अलेश वर्मा, प्रो. मोनिका पंचानी, प्रो. मनोज ठाकुर, प्रो. दीपाली अशोक, प्रो. सुरजीत सिंह शामिल थे।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सार्थक भूमिका निभाएगा

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की पैटर्न व वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी की प्राचार्या प्रोफेसर सुरीना शर्मा ने कहा कि आध्यात्मिकता व विज्ञान के विभिन्न पहलुओं को समझने में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सार्थक भूमिका निभाएगा। प्राचार्या ने कहा कि वल्लभ राजकीय महाविद्यालय मंडी इतिहास, संस्कृति व शिक्षा के मूल्यों को अक्षुण्ण बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर प्राचार्या ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के कन्वीनर डॉ रविंद्र कुमार ने सम्मेलन की विस्तृत रिपोर्ट पेश की।

Online Links:

https://www.facebook.com/share/v/rYbL15WA5yLTyrAa/?mibextid=qi2Omg

https://youtu.be/_sXERdUzt3E

https://www.facebook.com/mandilivetimestv/videos/3339710996327697

https://www.facebook.com/share/p/kY7T2LjeXZivD482/?mibextid=xfxF2i

https://www.vgcmandi.co.in/Commerce_dept.aspx

Sd/-

Dr. Balbir Singh
Conference Secretary

Dr. Ravinder Kumar
Conference Convener,
H.O.D Department of Commerce
Vallabh Govt. College Mandi (H.P)